TIME. LAW. 1. 1.

· राजस्व विभागः

युद्ध जागीर

CONTRACTOR CONTRACTOR

कमांक 530-ज-(I)-85/13954.—श्री किशन चन्द, पुत्र श्री बहादुर चन्द, 146-ए, न्यू का लीनी, गृहगांवा, जिला मनुहमांवा; की दिनांक 16 नवस्वर, 1983 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा कि एंद्र 2(ए)(१ए) तथा 3(१ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री किशन चन्द की मुक्लिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना अमांक 1576-ज-(II)-75/20358, दिनांक 14 जुलाई, 1975 लुसा 1389-ज(I)-79/44040, दिनांक 30 प्रश्तूबर, 1979 हारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती शीला देवी के नाम खरीफ, 1984 से 300 रुपये वार्षिक की दूर से सनद में दी गई शर्ती के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 6 मई,, 1985

कमांक 523-ज-I-85/14396.—श्री लाम सिंह, पुल श्री अमीर सिंह, तोपखाना वाजार, श्रम्बाला छावनी, जिला अम्बाला, की विनाक 15 दिसम्बर, 1984 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपान, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रतिमित्रका, 1948 (जैसा कि उसे इरियाणा राज्य में भपनाया गया है भीर उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 पूर्व 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के भ्रमीन भ्रदान की गई शक्तिमों का भ्रमोग करते हुए श्री लाभ सिंह की मृत्यित 300 स्पर्व वाधिक की जागीर को उसे हरियाणा सरकार की भ्रमिस्त्वना श्रमांक 16409-ज-एन-III-66/18602, दिनांक 20 अगस्त, 1966, भ्रमिस्त्वना क्रमांक 5041-मार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा भ्रमिस्त्वना क्रमांक 1789-जे-I- 79/44040, दिनांक 30 भ्रवतुषर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, श्रवं उसगी विभ्रता छीमती हर्जन्स कीर के नाम खरीफ, 1984 से 300 क्याने गर्मिक को दर से तनद र दो गई शारी के भ्रन्तांत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 565-ज-I-85/14400.— श्री गंगा राम, पूज श्री नारायण दास, गांव हंगीदार, तहसील नारायणगढ़, विसा श्रम्बाला, की दिनांक 1 जून, 1982 को हुई मृत्यू के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी एंबास युद्ध पूर स्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपनाया गया है और उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के भ्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये श्री गंगा राम की मुक्लिंग 300 क्यें वाक्ति की वागीर जो उसे हरियाणा सरकार की ग्रधिसुचना अगांक 44-ज-I-80/5845, दिनांक 12 फरवरी, 1980, क्रिया मंजूर की गई थी, भव उसकी विश्वा श्रीमती कौश्लिया देवी के नाम रवी, 1983 से 300 क्यें वाक्ति की दर से सनद में दी गई श्रा के प्रतांत प्रदान करते हैं।

कमांक 561-ज (I)-85/14404. —श्री मादी एम, पुत्र श्री शिव राम, गांव हरी गुर वडाम, वहसीत मानेसर, जिला कुछ मेत्र, की दिनांक 24 मंत्रेल, 1979 को हुई मृत्यु के परिगानहरू हरियाणा के राज्यराल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार मिवित्यम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में मपनाया गया है मीर उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की घारा 4 एवं 2(ए) (₁) तथा 3(1) के मधीन भवान की पर्द मिवित्यों का प्रयोग करते हुए औ भिव राम की मुम्लिय 150 इपये वार्षिक की जापीर ओ उसे हरियाणा सरकार की मिवित्या कर्माक 1703-र(III)-71/12769, दिनांक 10 मई, 1971, द्वारा मंजूर की मई भी भव उसकी विवया श्रीमती करती देवी के नाम खरीफ़, 1979 से 150 क्ये वार्षिक तथा रवी, 1985 से 300 क्ये वार्षिक की दर से सबद में दी गई शर्वों के मन्तर्गत प्रदान करते हैं।

मो॰ पी॰ सांगड़ा,

भवर सचिव, हरियाणा सरकार राजस्व विभाग।